भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †593

सोमवार, 6 फरवरी, 2023/17 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु में पारिस्थितिकी-पर्यटन के विकास हेतु चिह्नित स्थल

†593. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधिः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु में पारिस्थितिकी-पर्यटन के विकास हेतु चिह्नित किये गए स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इन स्थलों के विकास के लिए दी गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु में पारिस्थितिकी-पर्यटन की स्वीकृत परियोजनाओं और स्वीकृत निधि का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार तमिलनाडु में पारिस्थितिकी-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र को कोई प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ङ): पर्यटन का विकास मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास हेतु अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों आदि को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है और इस योजना के तहत परियोजनाओं की स्वीकृति राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर दी जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना की तटवर्ती परिपथ थीम के अंतर्गत वर्ष 2016-17 में चेन्नई – मामल्लापुरम – रामेश्वरम – मनपादु – कन्याकुमारी का विकास परियोजना के लिए 73.13 करोड़ रु. स्वीकृत किए हैं। 69.48 करोड़ रु. जारी किए गए हैं और परियोजना पूरी हो गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य में दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

(राशि करोड़ रु. में)

| परियोजना का नाम | स्वीकृति का वर्ष/स्वीकृत राशि | जारी की गई राशि/स्थिति |
|---|---|---|
| कांचीपुरम का विकास | 2016-17/13.99 | 13.99 |
| वेल्लंकानी का विकास | 2016-17/4.86 | 4.86 |

वर्तमान में, तमिलनाडु में ईको पर्यटन के संवर्धन हेतु निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने संबंधी पर्यटन मंत्रालय की कोई योजना नहीं है। तथापि पर्यटन मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के एक भाग के रूप में देश में ईको-पर्यटन से संबंधित गंतव्यों और उत्पादों सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

*****